

वि. नो. पित्त

समक्ष माननीय राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर

दि. 3707-4-15

1. विनित अग्रवाल तनय रमेशचंद अग्रवाल,
निवासी 105/30 सराफा बाजार झांसी उ०प्र०

.....आवेदक

// विरुद्ध //

1. अशोक कुमार तनय कुंवरलाल जैन
प्रबंधक मोटल्स एण्ड रिसोर्ट लिमि. ओरछा तह. ओरछा जिला टीकमगढ़
मानसीग तनय माधव प्रसाद खंगार
निवासी ओरछा तह. ओरछा जिला टीकमगढ़
श्रीमति प्रभाजून पत्नी जयदेव सिंह
निवासी सांवत नगर ओरछा
रामशरण तनय रामगोपाल नामदेव
निवासी ओरछा तह. ओरछा जिला टीकमगढ़
5. बाबूलाल तनय घुरके साहू,
निवासी ओरछा तह. ओरछा जिला टीकमगढ़

.....अनावेदकगण

निगरानी अंतर्गत धारा-50 म.प्र.भू. राजस्व संहिता 1959 एवं संशोधन अधिनियम के तहत

उपरोक्त आवेदक न्यायालय श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी निवाड़ी, जिला टीकमगढ़ के प्रकरण क्रमांक 44/अपील/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 09-06-2014 से परिवेदित होकर निम्नलिखित प्रमुख एवं अन्य आधारों पर प्रस्तुत करता है:-

1. यह कि प्रकरण का विवरण संक्षिप्त में इस प्रकार है कि, विवादित भूमि खसरा नंबर 76, 77/2, 77/3 एवं 78 जो अनावेदक क. 2 व 3 के भूमि स्वामित्व की भूमि थी जिसमें लगे हुए काश्तकारों का आवागमन 30 वर्ष पूर्व से चले आते रहने के कारण विचारण न्यायालय नायब तहसीलदार ओरछा तह. निवाड़ी के प्र.क. 9/अ/13 वर्ष 1990-91 आदेश दिनांक 30.09.1991 में म.प्र.भू.रा.सं. की धारा 131 के तहत रूढिगत रास्ते बावत विधिसम्मत आदेश पारित किया गया जिसमें विरुद्ध अनावेदक क. 1 द्वारा अपील 20-22 वर्ष पश्चात प्रस्तुत किए जाने पर आवेदक हितवत पक्षकार होने के उपरांत भी उसे पक्षकार बनाये बिना सुनवाई का अवसर दिए बिना विचारण न्यायालय के विधिसम्मत आदेश दिनांक 30.09.1991 को निरस्त किए जाने से यह निगरानी विधिवत् रूप से प्रस्तुत की जा रही है।

श्रीमती श्रीवास्तव (रू.)
द्वारा आज दि. 16/11/15 को
प्रस्तुत

16/11/15
कलकत्ता ऑफ कोर्ट
राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर

अजय कुमार श्रीवास्तव (एड.)
श्रीमती तुषिता श्रीवास्तव (एड.)
इतवाड़ी हिल्स, सागर (म.प्र.)
मो. 9424404113, 07582-244808

for

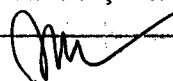
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

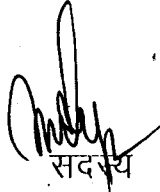
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक..... जिला टीकमगढ़.....

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
16.11.15	<p>1. मैंने प्रकरण का आवलोकन किया यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी निवाड़ी जिला टीकमगढ़ के प्र.क 44/अपील/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 09/06/14 के विरुद्ध म.प्र.भू राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के तहत प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2. आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा तर्क दिया है कि आवेदक एवं अनावेदिका क.3 को पक्षकार बनाये बिना गुपचुप तरीके से अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष वर्ष 1991 में पारित आदेश की अपील अवधि वधित होने के उपरांत भी स्वीकार की जाकर चालू रास्ते को बंद किए जाने का आदेश पारित किया है जबकि आवेदक एवं अनावेदिका क. 3 आवश्यक हितवत पक्षकार है अधीनस्थ सभी आदेश में उनका नाम पक्षकार के रूप उल्लेखित है नायब तहसीलदार ओरछा द्वारा विधिवत रूप से रूढ़िगत रास्ते को पुनः खोले जाने का आदेश पारित किया था जिसकी जानकारी सभी पक्षों को पूर्व से ही रही है 2009 में भी रास्ता बंद किए जाने पर तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी द्वारा आदेश पारित करते हुए 30.09.91 में खोले गए रास्ते को चालू रखे जाने बावत् आदेश किए गए है जिनकी प्रति संलग्न है इस कारण उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश अधिकारिता रहित एवं समयसीमा से परे होने से निरस्त किए जाने का अनुरोध किया है।</p> <p>3. उनका यह भी तर्क है इसी रास्ते के विवाद बावत् निगरानी राजस्व मंडल में विचाराधीन है तथा व्यवहार न्यायालय में भी बाद अनावेदक क. 1 द्वारा दायर किया गया है। जिसमें आवेदक एवं अनावेदिका क.3 पक्षकार है इस कारण उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बिना गुपचुप तरीके से वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए बिना अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश निरस्त किए जाने का अनुरोध किया है।</p>	

f-1



स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>4. मैंने आवेदक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अधीनस्थ न्यायालयों के आदेश एवं प्रस्तुत अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश में अपर आयुक्त सागर के आदेश दिनांक 09.01.14 में श्रीमति प्रभाजून पत्नी जयदेव सींग पक्षकार है आवेदक द्वारा इसी आदेश के विरुद्ध राजस्व मंडल में निगरानी विचाराधीन है। इस कारण अनुविभागीय अधिकारी द्वारा आवश्यक हितवत पक्षकारों को सुनवाई का अवसर दिया जाना प्रकरण में नहीं पाता हूँ।</p> <p>5. उपरोक्त विवेचना के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी निवाड़ी द्वारा पारित आदेश दिनांक 09.06.14 निरस्त करते हुए प्रकरण उन्हें इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि वे आवेदक एवं अन्य हितवत पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देते हुए विधि अनुसार पुनः प्रकरण का निराकरण करें। उक्त निर्देश के साथ यह निगरानी निराकृत की जाती है आदेश की प्रति अनुविभागीय अधिकारी निवाड़ी को भेजी जाये। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	